आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–09 अक्टूबर 2023 **सान्ध्य समाचार**

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज भदोही में अंतरराष्ट्रीय कालीन मेले का औपचारिक उद्घाटन किया। भदोही, मिर्जापुर और वाराणसी क्षेत्र को वस्त्र उद्योग का प्रमुख केंद्र बताते हुए श्री योगी ने कहा कि उनकी सरकार ने कारीगरों और शिल्पकारों के हुनर को मंच प्रदान करने का काम किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भदोही में पहले भय और आतंक का माहौल होता था लेकिन आज अंतरराष्ट्रीय मेला लग रहा है। श्री योगी ने कहा कि हाल में नोएडा में अंतरराष्ट्रीय मेले का आयोजन किया गया था जिसमें प्रदेश के सभी जिलों से कारीगरों और शिल्पकारों ने अपने उत्पादों को विश्व भर से आए लोगों के समक्ष प्रदर्शित किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में एक महीने के भीतर दो अंतरराष्ट्रीय मेलों का आयोजन इस बात का प्रमाण है कि भाजपा सरकार एक जनपद–एक उत्पाद योजना और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मेक इन इंडिया प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाने का काम कर रही है।

मुख्यमंत्री ने शिल्पकारों के कौशल विकास और प्रौद्योगिकी के समन्वय पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि एक जनपद–एक उत्पाद और विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना ने प्रदेश के निर्यात को पिछले चार वर्षों में लगभग ढाई सौ गुना बढ़ाने में मदद की है।

हमें अपने हस्तशिल्पी और कारीगरों को आगे बढ़ाना होगा। यह हमारी बहुत बढ़ी ताकत हैं। उत्तर प्रदेश सरकार ने सन–2018 में अपने परम्परागत उत्पादों को प्रमोट करने के लिये वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोजेक्ट की योजना चलायी है। अपने परम्परागत हस्तशिल्पियों और कारीगरों के लिये अच्छी ट्रेनिंग हो, उसको मान्यता मिले, उनको उन्नत किस्म के टूल्स प्राप्त हों, इसके लिये विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना में उत्तर प्रदेश में एक्सपोर्ट को मात्र 4 वर्ष के अन्दर ही जबकि 4 वर्ष में 3 वर्ष कोरोना जैसी वैश्विक महामारी के कारण जाना जाता है, तब भी उत्तर प्रदेश के एक्सपोर्ट को लगभग ढाई गुना बढ़ाने में इसमें मदद मिलल है।

****

प्रदेश में आज सघन मिशन इंद्रधनुष के तीसरे चरण की शुरूआत हो गयी। गोरखपुर में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ आशुतोष कुमार दुबे ने पिपरौली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से जपनद में टीकाकरण अभियान का शुभारंभ किया। सघन मिशन इंद्रधनुष के तहत किसी कारणवश नियमित टीकाकरण से छूट गए पांच वर्ष तक के बच्चों और गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण किया जाएगा। मुख्य चिकित्साधिकारी ने कहा कि गर्भावस्था में दो बार और बच्चों को पांच साल की उम्र तक सात बार टीकाकरण कराना अनिवार्य है। वहीं, बलरामपुर जिले में बंजारन पुरवा में आयोजित टीकाकरण सत्र से जनपद में सघन मिशन इंद्रधनुष की शुरूआत हुई।

****

वाराणसी मण्डल की अपर निदेशक स्वास्थ्य डॉ मंजुला सिंह और मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ संदीप चौधरी ने आज वाराणसी में चौकाघाट सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से सघन मिशन इंद्रधनुष के तीसरे और अंतिम चरण का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने नवजात शिशुओं को पोलियो रोधी दवा पिलाई। नियमित टीकाकरण बूथ पर कई बच्चों को मीजल्स–रूबेला सहित अन्य टीके भी लगाए गए। इसके अलावा सभी आठ ब्लॉक स्तरीय सामुदायिक और प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर भी सघन मिशन इंद्रधनुष के तीसरे चरण की शुरुआत हुई। इस अवसर पर डॉ मंजुला ने कहा कि टीकाकरण से छूट गए पाँच वर्ष तक के बच्चों और गर्भवती महिलाओं को प्रतिरक्षित करने के लिए सघन मिशन इंद्रधनुष शुरू किया गया है। वाराणसी सहित मण्डल के अन्य चारों जनपदों में टीकाकरण का यह अंतिम चरण चौदह अक्टूबर तक चलेगा।

****

भारत निर्वाचन आयोग ने आज पांच राज्यों– मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, तेलंगाना और मिजोरम में विधानसभा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा कर दी। इन पांचों राज्यों में विधानसभा चुनाव सात नवंबर से तीस नवंबर के बीच कराए जाएंगे, जबकि मतगणना तीन दिसम्बर को होगी। छत्तीसगढ़ के अलावा बाकी चार राज्यों में एक ही चरण में मतदान होगा। मिजोरम में 7 नवम्बर को, मध्य प्रदेश में 17 नवम्बर को, राजस्थान में 23 नवम्बर को और तेलंगाना में 30 नवम्बर को वोट डाले जाएंगे। वहीं, छत्तीसगढ़ में पहले चरण का मतदान 7 नवम्बर को और दूसरे चरण का मतदान 17 नवम्बर को होगा।

****

वाराणसी में भारतीय जनता पार्टी की महिला कार्यकर्ताओं ने महिला आरक्षण अधिनियम की खुशी में आज धन्यवाद मार्च निकाला। यह मार्च सर्किट हाउस से शुरू होकर कचहरी तक गया। हाथों में धन्यवाद की तख्तियां लिए महिलाएं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जयघोष करते हुए चल रही थीं। धन्यवाद मार्च का नेतृत्व कर रहीं मुमताज बानो ने कहा कि महिला आरक्षण अधिनियम के बाद महिलाओं का विधानसभा और संसद में प्रतिनिधित्व बढ़ेगा जिससे वे अपने मुद्दों को और जोर–शोर से उठा सकेंगी।

****

समूचे प्रदेश से आज औपचारिक रूप से मानसून की विदाई हो गयी है। इस वर्ष राज्य में औसत वर्षा दर्ज की गयी। दीर्घकालिक औसत के अनुसार प्रदेश में इस वर्ष 17 प्रतिशत कम वर्षा हुई। पूर्वी यूपी में औसत से 29 प्रतिशत कम जबकि पश्चिमी यूपी में औसम से तीन प्रतिशत अधिक वर्षा दर्ज की गयी। सर्वाधिक वर्षा बिजनौर में जबकि सबसे कम वर्षा भदोही में हुई। प्रदेश के सिर्फ पांच जिलों में एक हजार मिलीमीटर या इससे अधिक वर्षा हुई। इनमें बिजनौर, बाराबंकी, मुरादाबाद, गोरखपुर और बदायूं शामिल हैं।

****